वर्ष :: 33 अंक : 51
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

सभी पाठकों व शुभेच्छुओं को विश्वकर्मा पूजा एवं गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं।

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक
/mithilavarnan

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें-
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मैनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

बोकारो :: रविवार, 17 सितंबर, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

एयरपोर्ट की तरह होगा बोकारो रेलवे स्टेशन

अमृत भारत योजना... कैफेटेरिया, मनोरंजन सहित मिलेंगी कई अत्याधुनिक सुविधाएं, 3 से बढ़कर 5 होंगे प्लेटफॉर्म

33.5 करोड़ रु. की लागत से होगा पुनर्विकास
55 करोड़ रु. सिर्फ टिकट से राजस्व
200 करोड़ रु. माल ढुलाई से होती है आमद

हरदिन गुजरती हैं 41 जोड़ी ट्रेनें

बोकारो स्टील सिटी स्टेशन से प्रतिदिन 41 जोड़ी ट्रेनें गुजरती हैं, लेकिन मात्र तीन प्लेटफॉर्म होने के कारण कई बार ट्रेनों को स्टेशन से बाहर खड़ी कर देते हैं। नई योजना मूर्त रूप लेने से ऐसा नहीं होगा। अब बोकारो में पांच प्लेटफार्म बनाए जाएंगे। इसके अलावा ए ग्रेड स्टेशन की सारी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। गौरतलब है कि इस स्टेशन से सालाना 55 करोड़ रुपए सिर्फ टिकट से राजस्व आता है, जबकि माल ढुलाई से 200 करोड़ से ज्यादा राजस्व आता है, परंतु अबतक सुविधाओं का काफी अभाव है। अब इसे हवाई अड्डा की तर्ज पर विकसित किया जाएगा।

क्या है मास्टर प्लान में

बोकारो स्टील सिटी स्टेशन के पुनर्निर्माण के मास्टर प्लान की अनुमानित लागत 33.5 करोड़ रुपए के साथ प्रस्तावित की गई है। नई स्टेशन बिल्डिंग को प्रसिद्ध समकालीन शैली में बनाया जाएगा। इसे अलग-अलग आगमन और प्रस्थान प्रावधानों के साथ विकसित किया जाएगा। स्टेशन प्लाजा में पर्याप्त सुविधाओं के साथ बहु-मोडल एकीकरण की सुविधा शामिल होगी, जिससे सुगम यातायात का संचालन हो सकेगा। इसे विशाल कॉनकोर्स विश्व-स्तरीय सुविधाओं और यात्री सुविधाओं के साथ निर्मित किया जाएगा, जिसमें खुदरा, कैफेटीया, मनोरंजन की सुविधाएं, सुखद प्रतीक्षा क्षेत्र, कार्यकारी लाउंज, व्यापारिक मिलन स्थल आदि उपलब्ध होंगे। स्टेशन को यात्री सूचना प्रणाली, प्रतिकृति और यात्रा संबंधित जानकारी के लिए डिजिटल प्रदर्शनों के साथ नवाचारी बनाया जाएगा। स्टेशन पर लिफ्ट और एस्केलेटर्स की सुविधा होगी। स्टेशन पर सभी प्रकार की दिव्यांग मित्रशील सुविधाएं, मुफ्त वाई-फाई, अग्निशमन व्यवस्था आदि की व्यवस्था होगी।

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : अमृत भारत योजना से 33.5 करोड़ की लागत से बोकारो रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की परियोजना को मूर्त रूप देने की तैयारी शुरू हो गई है। इसे लेकर दक्षिण-पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा ने स्टेशन का निरीक्षण किया। मिश्रा ने कहा कि दक्षिण-पूर्व रेलवे का बहुत ही महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन बोकारो है। यहां फिलहाल तीन ही प्लेटफार्म है, जबकि यहां पांच प्लेटफार्म की आवश्यकता है। इसलिए वर्ष 2024-25 में यहां दो और नए प्लेटफार्म बनाए जाएंगे। साथ ही कुछ अतिरिक्त लाइन भी बिछाई जाएगी, ताकि कोई ट्रेन प्लेटफार्म के बाहर नहीं रुके। इससे यात्रियों को बेवजह कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले एक साल में इस स्टेशन में एयरपोर्ट जैसी सुविधा बहाल की जाएगी। महाप्रबंधक श्री मिश्रा ने कहा कि राज्य के बिजली विभाग से संपर्क कर उनसे भी बिजली लेंगे, ताकि स्टेशन में एक भी मिनट के लिए बिजली की सुविधा में कोई व्यवधान नहीं हो।

रेलवे स्टेशन परिसर पर हुए अतिक्रमण के बारे में उन्होंने कहा कि अतिक्रमण को कभी भी परमिशन नहीं दिया जाता है। इसलिए स्टेशन परिसर से शीघ्र ही अतिक्रमण को हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बोकारो रेलवे स्टेशन का कायाकल्प किया जाएगा। हमलोग सकुर्लेटिंग एरिया में टॉयलेट, कोच डेवलपमेंट, एस्कीलेटर, फुट स्टेप आदि की सुविधा पर फिलहाल जोर दे रहे हैं। उनके साथ **(शेष पेज- 7 पर)**

डर्टी पॉलिटिक्स रामचरित मानस के वचन बिहार के शिक्षा मंत्री चन्द्र शेखर को लग रहे 'ज़हर', विवादित बोल पर चौतरफा निंदा

इधर सनातन को कोस रहे शिक्षा मंत्री, उधर एक कमरे में पढ़ रहे 5 स्कूलों के बच्चे

विशेष संवाददाता

पटना : किसी ने सच ही कहा है, राजनीति जब विकासोन्मुखी हो, तो उचित है, लेकिन जब यह केवल स्वार्थसिद्धि के लिए वैमनस्यता का जरिया बन जाय, तो उसे डर्टी पॉलिटिक्स ही कहेंगे। इसका उदाहरण एक बार फिर प्रस्तुत किया है बिहार के शिक्षा मंत्री चन्द्र शेखर ने। मंत्री हैं शिक्षा के, लेकिन सनातन और हिन्दू धर्मग्रंथ के प्रति शायद उनमें स्वयं इतनी शिक्षा या इतना ज्ञान नहीं कि वे लगातार रामचरितमानस के खिलाफ विवादित टिप्पणी करते चले जा रहे हैं। उन्होंने रामचरितमानस की तुलना जानलेवा पोटैशियम साइनाइड से कर दी है। हिन्दी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान चंद्रशेखर ने कहा कि पचपन तरह का व्यंजन परोस कर उसमें पोटैशियम साइनाइड मिला दीजिए तो क्या होगा, हिन्दू धर्म ग्रंथ का हाल ऐसा ही है।

नीतीश सरकार के शिक्षा मंत्री ने रामचरितमानस के अरण्य कांड की चौपाई पर भी सवाल उठाए। इससे पहले इसी साल जनवरी में उन्होंने रामचरितमानस को नफरत फैलाने और समाज को बांटने वाला ग्रंथ बता दिया था। इस बात को लेकर नीतीश सरकार की काफी किरकिरी हुई थी। इसके अगले ही महीने फरवरी में उन्होंने कहा था कि रामचरितमानस में जो कूड़ा-कचरा है, उसे साफ करने की जरूरत है। दूसरी ओर, बिहार के सरकारी स्कूलों में शिक्षा की हालत ऐसी है कि सुनने वाले भी चौंक जाएं। गांवों की तो बात छोड़िए, बिहार की राजधानी पटना में करबिगहिया इलाके से एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने राज्य की शिक्षा व्यवस्था के मुंह पर कालिख पोत दी है। यहां एक साथ एक ही विद्यालय भवन में पांच-पांच स्कूल चलते हैं। है न चौंकानेवाली बात? लेकिन, दुर्भाग्यवश यह सच है। अब मंत्रीजी को सनातन को कोसने से फुर्सत मिले, तब तो वह अपने दायित्वों पर ध्यान दें और राज्य की शिक्षा-व्यवस्था को सुधारें...! काबिले-तारीफ तो वो विद्यार्थी हैं, जो इस प्रकार की लचर शिक्षा-व्यवस्था में भी सफलता पाकर देश की प्रतिष्ठित परीक्षाओं में कामयाबी पा रहे हैं।

एक ब्लैकबोर्ड को पांच हिस्सों में बांटकर पढ़ाते हैं शिक्षक

करबिगहिया में स्कूल के अंदर और बाहर भयंकर गंदगी, कैंपस के अंदर जलजमाव और एक बिल्डिंग जर्जर हालत में है। अब सिर्फ एक दो मंजिला भवन ही बचा है, जहां से एक साथ पांच स्कूल चलते हैं। पहले स्कूल दो शिफ्ट में चलता था, लेकिन अब एक ही शिफ्ट कर दिया गया हैं। इससे परेशानी और बढ़ गयी है। खबर है कि यहां कुल 400 बच्चे पढ़ते हैं, लेकिन कम कमरे और ज्यादा स्कूल होने की वजह से एक ही क्लासरूम में अलग-अलग स्कूल के कुछ क्लास के बच्चे एक साथ बैठते हैं। लिहाजा मजबूरी में एक कमरे में 5 स्कूलों के 5 शिक्षक एक साथ पढ़ाते हैं। व्यवस्था के सामने विवश शिक्षक एक ब्लैकबोर्ड को ही चॉक से 5 भागों में बांटकर 5 टीचर 5 अलग-अलग विषय पढ़ाते हैं। इसको लेकर शिक्षकों ने कहा कि वे अपने-अपने छात्रों को पहचानते हैं, बच्चे भी अपने विषय के टीचर की तरफ देखकर सुनते हैं।

विद्यार्थियों में आक्रोश

स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों में इस लचर व्यवस्था का आक्रोश खुलकर सामने देखा जा रहा है। उनका कहना है कि शिक्षिकाएं उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं देतीं, मोबाइल पर चैट करती रहती हैं। न शौचालय की व्यवस्था है, न पानी की। कहने को दो-दो शौचालय हैं, लेकिन उनमें खाने-पीने के सामान रखे जाते हैं।

– संपादकीय –

विनाश काले विपरीत बुद्धि

'विनाश काले विपरीत बुद्धि'। अर्थात जब विनाश का समय आता है तो बुद्धि विपरीत दिशा में चलने लगती है, दिमाग उल्टा ही चलता है। यह कथन है आयुर्वेद शास्त्र के महान और अद्वितीय ग्रंथ 'चरक' के रचयिता महर्षि पुनर्वसु का। एक समय अपने शिष्य अग्निवेश के प्रश्नों का जवाब देते हुए उन्होंने भविष्यद्रष्टा के रूप में कहा था- 'लोग धर्म को छोड़कर अधर्म की ओर चल पड़ेंगे, सत्य को छोड़कर असत्य की ओर। सत्य और धर्म में रुचि नहीं रहेगी। बुद्धि का बिगड़ जाना ही महानाश का कारण होगा। जब बुद्धि बिगड़ जाती है, जब वह सत्य का मार्ग छोड़कर असत्य की ओर बढ़ती है, तब धर्म में रुचि नहीं रहती। बुद्धि का बिगड़ जाना ही सब रोगों का कारण है, परन्तु बुद्धि के बिगड़ जाने से केवल शारीरिक रोग पैदा नहीं होते, सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक और आत्मिक, सभी रोग पैदा होते हैं। इसीलिये कहते हैं कि जब नाश का समय निकट आता है, तब बुद्धि उलटे मार्ग पर चलने लगती है।' भगवान श्री कृष्ण ने भी गीता में कहा है- 'बुद्धि नाशात्प्रणश्यति।' बुद्धि का नाश होने से महानाश जाग उठता है। आज देश में विपक्षी दलों द्वारा गठित गठबंधन (गिरोह) आई.एन.डी.आई. एलायंस इसी ओर आगे बढ़ रहा है। दक्षिण से सनातन धर्म को गालियां देने का जो दौर शुरू हुआ, अब उत्तर भारत तक पहुंच चुका है। इस गठबंधन में शामिल कई राजनीतिक दलों के नेताओं में सनातन संस्कृति को सार्वजनिक रूप से अपमानित करने में एक दूसरे को पछाड़ने की होड़ मची है। दूसरा, अब उन्होंने मीडिया को अपना निशाना बनाया है। विपक्षी दलों के गठबंधन आई.एन.डी.आई.ए. की समन्वय समिति की पिछले दिनों दिल्ली में हुई बैठक में विपक्षी गठबंधन के नेताओं ने कुछ मीडिया संस्थानों का बहिष्कार करने का निर्णय लिया। इस निर्णय के आलोक में उन्होंने अपने नेताओं और प्रवक्ताओं को कुछ टीवी एंकर्स के शो में भेजना भी बंद कर दिया है। विपक्षी गठबंधन ने जिन टेलीविजन एंकर्स का बहिष्कार करने का फैसला लिया है, उनमें अदिति त्यागी, अमन चोपड़ा, अमीश देवगन, आनंद नरसिम्हा, अर्णव गोस्वामी, अशोक श्रीवास्तव, चित्रा त्रिपाठी, गौरव सावंत, नाविका कुमार, प्राची परासर, रुबिका लियाकत, शिव अरूर, सुधीर चौधरी और सुशांत सिन्हा के नाम शामिल हैं। इन न्यूज एंकरों के बहिष्कार का फैसला आने के बाद भाजपा इसकी कड़ी आलोचना कर रही है। वहीं, पत्रकारों की तरफ से भी आवाज उठने लगी है। सवाल है कि आखिर इस गठबंधन के नेताओं को सच से इतना डर क्यों लगने लगा है? आखिर ये अपनी आलोचना सुनने का साहस क्यों नहीं दिखाते? क्या ये मीडिया को अपना गुलाम बनाना चाहते हैं? आज आई.एन.डी.ए. गठबंधन के नेताओं द्वारा सनातन धर्म को खुलेआम गालियां दी जा रही हैं, बिहार के शिक्षा मंत्री हिन्दुओं के धर्म-ग्रंथ रामचरितमानस का बार-बार अपमान कर रहे हैं, हिन्दुओं को जाति के आधार बांटकर सनातन हिन्दू धर्म पर कुठाराघात करने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। लेकिन सोनिया, राहुल, नीतीश, लालू, ममता सहित सभी नेता चुप हैं। वोट की खातिर आखिर इतनी घटिया हरकत क्यों? क्या उनसे इसे लेकर सवाल नहीं पूछा जाना चाहिए? अभी-अभी मद्रास हाईकोर्ट ने भी सनातन को लेकर दायर एक मामले में स्पष्ट किया है कि 'संविधान का अनुच्छेद (19) (1) अभिव्यक्ति की आजादी देता है, लेकिन हर धर्म आस्था पर आधारित है। इसलिए जब धर्म से संबंधित मामलों में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रयोग किया जाता है तो यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि कोई भी आहत न हो।' ऐसे में जब आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन की ओर से एक धर्म विशेष के खिलाफ लगातार अपमानजनक टिप्पणी की जा रही हो, समाज को बांटने की साजिश की जा रही हो तो सवाल उठना स्वाभाविक है। फिर इस मुद्दे के साथ-साथ कई अन्य ज्वलंत सवालों से बचने के लिए यह गठबंधन अगर मीडिया का बहिष्कार करता है तो इसे लोकतंत्र के लिए शर्मनाक ही कहा जाएगा। यही है 'विनाश काले विपरीत बुद्धि'।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

जी20 - आर्थिक सहयोग का 'प्रमुख मंच' स्थापित

– लक्ष्मी पुरी –
पूर्व राजदूत (भारत) एवं सहायक महासचिव, संयुक्त राष्ट्र

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 20 वर्षों में एक बार मिलने वाली जी20 की इंडिया यानी भारत की अध्यक्षता ऐतिहासिक मानी जाएगी। इस अध्यक्षता ने एक ऐसी अमिट छाप छोड़ी है, जिसकी अनदेखी करना घरेलू और विदेशी आलोचकों के लिए भी कठिन होगा। भारत की भौतिक, सांस्कृतिक, सभ्यतागत भव्यता और इसकी आर्थिक, वैज्ञानिक व तकनीकी प्रगति एवं गतिशीलता पूरी तरह से परिलक्षित हुई। भारत की कूटनीतिक व सर्वसम्मति निर्माण कौशल और सबसे अधिक आबादी वाले एवं युवाओं की संख्या के मामले में सबसे समृद्ध तथा सबसे पुराने, सबसे बड़े एवं सबसे अधिक विविधतापूर्ण लोकतांत्रिक देश की हैसियत से जी20 में इसकी अध्यक्षता को एक विशेष गरिमा प्रदान की। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार की असाधारण प्रतिबद्धता ने भारत को 'विश्वगुरु' और 'विश्वामित्र' के रूप में वैश्विक मंच पर स्थापित कर दिया। भारत की यह छवि उच्चतम स्तर की भागीदारी और एक सार्थक दिल्ली घोषणा में दिखाई दी।

यह परिधि से निकलकर वैश्विक आर्थिक निर्णय-प्रक्रिया के केन्द्र में पहुंचने की भारत की यात्रा का प्रतिनिधित्व करता है। भारत ने यह संकेत दिया कि वह उत्तर-दक्षिण सहयोग को बढ़ावा देने और संवाद में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसकी सामाजिक न्याय की विशाल परियोजना एंग्लोबल साउथ के देशों में प्रतिकृति और विस्तार की दृष्टि से मानक बनती हैं। तीव्र आर्थिक विकास, सतत विकास, जलवायु कार्रवाई और सभी के लिए मानवीय प्रतिक्रिया से लैस वैश्विक सार्वजनिक कल्याण सुनिश्चित करने के विकसित एवं विकासशील देशों के इस सबसे शक्तिशाली समूह को आगे बढ़ाने के जिम्मेदारियों के प्रति प्रधानमंत्री मोदी का समावेशी एवं मानव-केन्द्रित दृष्टिकोण जी20 की भारत की सफल अध्यक्षता की पहचान बन गया।

एक अभिजात्य बहुपक्षीय मंच के तौर पर जी20 का जन्म 2008 के वैश्विक संकट के दौरान हुआ था। इसने वास्तविक सार्वभौमिक बहुपक्षीय मंच से वैश्विक आर्थिक एवं वित्तीय शासन के एजेंडे को अपहृत कर लेने की आलोचना को सहते हुए इस संकट से उबरने में काफी हद तक मदद की। पिछले कुछ वर्षों में जी20 ने अपनी उपयोगिता साबित की है। लेकिन, अब इसे अब तक के गंभीरतम संकटों से निपटना है। अतिव्यापी और आपस में एक-दूसरे से परस्पर जुड़े हुए संकट एक साथ उभरे हैं। इन संकटों में जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय क्षरण से लेकर कोविड-19 से उपजे व्यापक सामाजिक-आर्थिक विनाश, रूस-यूक्रेन युद्ध, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, भोजन, उर्वरक, ईंधन एवं वित्तीय संकट और आपूर्ति श्रृंखला की असुरक्षा शामिल है, जो ग्लोबल साउथ के देशों को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहे हैं। यह सब एक ऐसे समय में हो रहा है, जब संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व व्यापार संगठन जैसे बहुपक्षीय संस्थान संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटिरेज के शब्दों में 'भारी शिथिलता के शिकार हो गए हैं'।

18वें जी20 शिखर सम्मेलन में दक्षिणी दुनिया के देशों से किए गए प्रधानमंत्री श्री मोदी के वादे 'आपकी आवाज भारत की आवाज है, आपकी प्राथमिकताएं भारत की प्राथमिकताएं हैं' - को प्रभावशाली और ठोस तरीके से निभाया गया है। भारत ने 54 देशों वाले अफ्रीकी संघ - दूसरे सबसे बड़े संसाधन-संपन्न महाद्वीप, जहां 1.466 बिलियन लोग सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को पाने के लिए जूझ रहे हैं - को जी20 में शामिल करके वैश्विक शासन की समावेशिता एवं लोकतंत्रीकरण की राह में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

जी20 की अध्यक्षता के लिए भारत की सभी सात विषयगत प्राथमिकताओं का जहां तक प्रश्न है, इसने वास्तव में ग्लोबल साउथ के देशों के लिए 'समावेशी, महत्वाकांक्षी, कार्योन्मुख और निर्णायक' परिणाम दिए हैं। इन परिणामों में एसडीजी को हासिल करने की दिशा में हुई प्रगति में तेजी लाना तथा जी20 कार्ययोजना एवं उच्चस्तरीय सिद्धांतों को लागू करना; वित्तपोषण के मामले में व्याप्त अंतर को पाटने तथा यूएनएसजी के एसडीजी संबंधी प्रोत्साहन का समर्थन करने हेतु सभी स्रोतों से किफायती, पर्याप्त एवं सुलभ वित्तपोषण जुटाना; जी20 रोडमैप के अनुरूप स्थायी वित्त को बढ़ाना; खाद्य सुरक्षा एवं पोषण से संबंधित दक्कन उच्चस्तरीय सिद्धांतों के अनुरूप वैश्विक खाद्य सुरक्षा को बढ़ाना, खाद्यान्नों एवं उर्वरकों की कीमतों में व्याप्त अस्थिरता से निपटना और आईएफएडी संसाधनों को बढ़ाना शामिल है। 'एक स्वास्थ्य' के दृष्टिकोण को अपनाते हुए, जी20 ने सहयोग का एक व्यापक पैकेज अपनाया, जिसमें विश्व स्वास्थ्य संगठन के नेतृत्व वाली महामारी से जुड़ी तैयारियों एवं निगरानी प्रणालियों को बढ़ाना और स्वास्थ्य सहयोग को वित्तपोषित करना शामिल है।

सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि पेरिस प्रतिबद्धताओं को लागू करने के मजबूत संकल्प के साथ ठोस हरित विकास समझौता थी। प्रधानमंत्री मोदी के लाइफमिशन को सतत विकास के लिए जीवनशैली से संबंधित जी20 के उच्चस्तरीय सिद्धांतों में रूपांतरित कर दिया गया।

इसने हरित जलवायु कोष (ग्रीन क्लाइमेट फंड) की महत्वाकांक्षी दूसरी पुनःपूर्ति और निजी वित्त और जलवायु अनुकूल प्रौद्योगिकियों के विकास, साझाकरण, तैनाती और वित्तपोषण और बहुवर्षीय तकनीकी सहायता योजना (टीएपी) कार्यान्वयन पर मजबूत प्रतिबद्धता का आह्वान किया। इसने अपने एनडीसी को लागू करने के लिए 2030 से पहले ग्लोबल साउथ के देशों के लिए 5.9 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की जरूरत और अकेले स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के लिए चार ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की जरूरत को रेखांकित किया। इसने विभिन्न पक्षों से 100 बिलियन की पेरिस प्रतिबद्धता को लागू करने और एक महत्वाकांक्षी, पता लगाने योग्य एवं पारदर्शी नए सामूहिक मात्रात्मक लक्ष्य (एनसीक्यूजी) को निर्धारित करने का आह्वान किया। न्यायसंगत ऊर्जा परिवर्तन के संबंध में, ऊर्जा परिवर्तन के लिए महत्वपूर्ण खनिजों पर सहयोग के लिए अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) के उच्चस्तरीय सिद्धांतों द्वारा संचालित ग्रीन हाइड्रोजन इनोवेशन सेंटर शुभारंभ किया गया। जी20 ने वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन के शुभारंभ के लिए भी संदर्भ प्रदान किया।

प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के संबंध में इसने जी20 2023 वित्तीय समावेशन कार्य योजना, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की प्रणालियों के लिए जी20 फ्रेमवर्क और एक वैश्विक डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे से संबंधित रिपॉजिटरी के निर्माण व रख-रखाव की भारत की योजना का समर्थन किया। कम आय वाले देशों में डीपीआई के लिए क्षमता निर्माण, तकनीकी सहायता और वित्त पोषण संबंधी सहायता प्रदान करने के वन फ्यूचर एलायंस (ओएफए) के भारत के प्रस्ताव का स्वागत किया गया। क्रिप्टो परिसंपत्तियों के लिए एक साझा एफएसबी एवं एसएसबी कार्य-योजना तथा एक व्यापक एवं समन्वित नीतियों एवं नियामक ढांचे के लिए एक रोडमैप निर्धारित किया गया।

जी20 ने संयुक्त राष्ट्र एवं अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों को फिर से सुदृढ़ करने एवं उनमें सुधार करने, बड़े, बेहतर एवं अधिक प्रभावी बहुपक्षीय विकास बैंक प्रदान करने, आईडीए की महत्वाकांक्षी 21 पुनःपूर्ति सहित विकास वित्त में बिलियन से ट्रिलियन तक की लंबी छलांग लगाने और आईएमएफ शासन कोटा में सुधार को दिसंबर 2023 तक पूरा करने का संकल्प व्यक्त किया। विकासशील देशों के अभूतपूर्व 9 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के ऋण के मामले को संबोधित करते हुए जी20 ने जी20 की ऋण निलंबन पहल के अधिक प्रभावी कार्यान्वयन का आह्वान किया और इससे आगे जाने पर सहमति व्यक्त की। 21वीं सदी के लिए विश्व स्तर पर निष्पक्ष, टिकाऊ एवं आधुनिक अंतरराष्ट्रीय कराधान प्रणाली और अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद एवं धन शोधन के मामले में उल्लेखनीय प्रगति हुई।

जी20 शिखर सम्मेलन ने यूक्रेन-रूस संघर्ष के मुद्दे पर आम सहमति का प्रतिनिधित्व किया और इस बात पर जोर दिया कि यह युद्ध का युग नहीं होना चाहिए। यह भरोसे के निर्माण की दृष्टि से एक बड़ी जीत है। इसने भारत को जी20 को सबसे अच्छे और सबसे बुरे समय में बेहद जरूरी वैश्विक आर्थिक सहयोग के एक 'प्रमुख मंच' के रूप में बहाल करने में समर्थ बनाया।

बेरमो अनुमंडल के विभिन्न थानों के निरीक्षण के बाद एसपी प्रियदर्शी आलोक ने कहा-

उग्रवाद अब समाप्ति की ओर

- कुमार संजय -

बोकारो थर्मल : बोकारो के पुलिस अधीक्षक प्रियदर्शी आलोक बेरमो अनुमंडल के विभिन्न थानों का दौरा करने के क्रम में गुरुवार को बोकारो थर्मल थाना भी पहुंचे। बोकारो थर्मल थाना के पूर्व एसपी ने बेरमो अनुमंडल के कसमार, पेटरवार, तेनुघाट, गोमिया, कथारा ओपी, गांधीनगर एवं बेरमो थाना का दौरा किया। बोकारो थर्मल थाना पहुंचकर एसपी ने थाना प्रभारी सह- इंस्पेक्टर आर के राणा से विभिन्न विषयों को लेकर जानकारी ली। बाद में डीवीसी के स्थानीय निदेशक भवन में डीवीसी बोकारो थर्मल के परियोजना प्रधान (एचओपी) एन के चौधरी एवं डीजीएम बी जी होलकर ने पौधा देकर स्वागत किया।

एचओपी एवं डीजीएम ने एसपी से स्थानीय स्तर पर कानून-व्यवस्था कायम करने को लेकर मदद की अपील की। एसपी ने भी एचओपी एवं डीजीएम को आश्वस्त किया कि उन्हें हर संभव मदद दी जाएगी। एसपी ने बातचीत के क्रम में कहा कि बोकारो में पदभार ग्रहण करने के बाद डुमरी विधानसभा उपचुनाव को लेकर व्यस्तता के कारण बेरमो अनुमंडल के थानों का दौरा नहीं कर पाया था, इस कारण उन्होंने गुरुवार को विभिन्न थानों का दौरा किया। एसपी ने वर्ष 2013 की तुलना में वर्तमान में बेरमो अनुमंडल में उग्रवाद के संबंध में पूछे जाने पर कहा कि बेरमो के ऊपरघाट एवं झुमरा-लुगु पहाड़ के इलाके में तब का उग्रवाद वर्तमान में समाप्ति की ओर है। कहा कि जो भी उग्रवाद है, उसका भी सफाया जल्द ही कर दिया जाएगा। बेरमो में हाल के दिनों में अपराध एवं बाइक चोरी के लगातार ग्राफ में बढ़ोतरी पर एसपी ने कहा कि पूर्व में भी बेरमो में इस प्रकार की घटनाएं होती रही हैं, खासकर चेन स्नेचिंग की घटनाएं। कहा कि वे सभी प्रकार के अपराधों पर नजर रखकर इस पर नियंत्रण एवं मॉनिटरिंग को अंजाम देने को लेकर शुक्रवार को आयोजित क्राइम मीटिंग में पुलिस पदाधिकारियों के साथ रणनीति को अंजाम देने का काम करेंगे।

कोयला-बालू की चोरी और पत्थर तस्करी न रुकी तो नपेंगे अफसर

बोकारो : बोकारो के पुलिस अधीक्षक प्रियदर्शी आलोक की अध्यक्षता में उनके कार्यालय स्थित सभागार में मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक में जिले के पुलिस उपाधीक्षक, पुलिस निरीक्षक व थाना प्रभारी मौजूद थे। इस दौरान पुलिस अधीक्षक प्रियदर्शी आलोक ने उपस्थित सभी पुलिस पदाधिकारियों को चार वर्ष से अधिक समय से लंबित कांडों का निष्पादन सख्ती से करने के साथ ही सभी पुलिस उपाधीक्षक, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं थाना/ओ.पी. प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत अवैध कोयला, बालू चोरी और पत्थर तस्करी की घटनाओं पर रोक लगाने और इसके लिए ऐसे तत्वों के खिलाफ लगातार छापामारी करने का निर्देश दिया। एसपी ने कहा कि यदि किसी थाना या ओ.पी. प्रभारियों द्वारा इस कार्य में शिथिलता बरती जाती है तो उनके विरूद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की जायेगी। सभी थाना व ओ.पी. प्रभारियों को धारा-156 (3) दंप्रसं के तहत लंबित परिवाद पत्र के आलोक में अविलंब प्राथमिकी दर्ज करने, मादक द्रव्य और अवैध शराब कारोबार में लिप्त लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई करने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने लंबित वारंट/कुर्की का निष्पादन करने, लंबित पासपोर्ट, चरित्र प्रमाण-पत्र, आयोग अथवा न्यायालय से संबंधित मामलों/पत्रों/पीजी पोर्टल, आरटीआई के मामलों का युद्ध स्तर पर निष्पादन करने की भी हिदायत दी। इसके साथ ही सभी संचालन पदाधिकारियों को विभागीय कार्यवाही/विभागीय जांच का निष्पादन समय पर करने का निर्देश दिया। एसपी ने जिले में वाहन चोरी, गृहभेदन एवं छिनतई की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए घटनाओं की रोकथाम हेतु पूर्ण मुस्तैदी से गश्ती करने एवं घटित घटनाओं के उद्भेदन का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने सभी पुलिस उपाधीक्षक एवं पुलिस निरीक्षकों को भी पर्यवेक्षण हेतु लंबित काण्डों में पर्यवेक्षण टिप्पणी समय पर निर्गत करने का सख्त निर्देश दिया।

बीएसएल उत्पादकता में बेहतरी, सीआईआई (पूर्वी क्षेत्र) उत्पादकता पुरस्कारों में पाया प्रथम स्थान

युवा प्रबंधकों ने नई प्रणाली विकसित कर सालाना 17.83 करोड़ रुपए की कराई बचत

संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के सीआरएम-3 विभाग के दो युवा प्रबंधक प्रशांत कुमार सिंह (वरीय प्रबन्धक) और परिचय भट्टाचार्जी (प्रबंधक) ने ऑटोमेटेड कोटिंग कंट्रोल यूजिंग रिग्रेशन अप्रोच टुवर्ड्स एंटरप्राइज (एक्यूरेट 5.0) प्रणाली विकसित की है। इस प्रणाली को विकसित करने के लिए इस टीम को सीआईआई (पूर्वी क्षेत्र) उत्पादकता पुरस्कारों में प्रथम पुरस्कार के लिए चुना गया है। बोकारो स्टील के संचार प्रमुख मणिकांत धान के अनुसार एक्यूरेट 5.0 मशीन लर्निंग, आईओटी और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसी प्रौद्योगिकियों का उपयोग कर सीआरएम-3 के कन्टिन्यूअस गैल्वनाइजिंग लाइनों में जिंक कोटिंग वजन का पूवार्नुमान करने, मॉनिटर करने और कंट्रोल करने के लिए पूर्णतः इन- हाउस डिजाइन की गई एक अत्याधुनिक एवं इनोवेटिव प्रणाली है। यह प्रणाली 30,000+ टुपल्स डेटासेट के उपयोग से मल्टीवेरिएट पॉलीनोमियल रिग्रेशन एनालिसिस द्वारा अनुमानित कोटिंग वजन के लिए एक समीकरण पर पहुंचने में सक्षम है। इस समीकरण को एससीएडीए में प्रदर्शित किया जाता है, जिसके आधार पर यदि आवश्यक हो तो लाइन गति, वायु दबाव, क्षैतिज स्थिति और फील्ड से लिप गैप की रियल टाइम फीडबैक के साथ मूल्यों को ऑपरेटर संशोधित कर सकता है। इस प्रणाली में रिग्रेशन को-इफिशिएंट हर महीने ट्यून किए जाते हैं और वर्तमान में यह +1 जीएसएम (99% से अधिक सटीकता) पर काम कर रहा है।

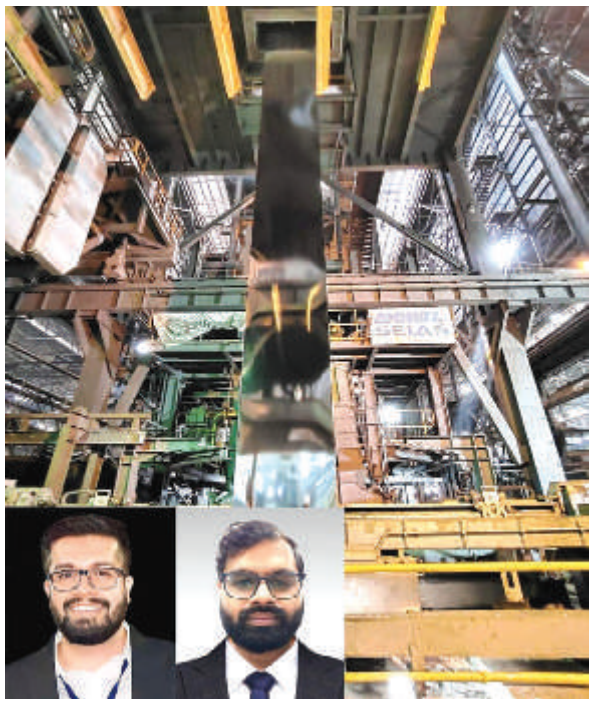

इस प्रणाली को बीएसएल के युवा प्रबन्धकों ने बिल्कुल नए सिरे से विकसित किया है और इसके लिए किसी विशेष हार्डवेयर की आवश्यकता भी नहीं पड़ी, यानी यह शून्य-लागत वाली परियोजना रही। इस प्रणाली को मौजूदा स्वचालन प्रणालियों के साथ एकीकृत किया गया है, जिससे जिंक की खपत में कमी आई है और उत्पाद की गुणवत्ता भी बेहतर हुई है। कुल मिलाकर, एक्यूरेट 5.0 प्रणाली गैल्वेनाइज्ड उत्पादों में जिंक कोटिंग वजन का सटीक पूवार्नुमान, मॉनिटरिंग और कंट्रोल के लिए एक लागत प्रभावी और कुशल समाधान है। इस परियोजना से संयंत्र को 17.83 करोड़ रुपये की वार्षिक आवर्ती लागत बचत होगी। परियोजना को विकसित करने और कार्यान्वित करने वाली टीम, प्रशांत कुमार सिंह और परिचय भट्टाचार्य ने हाल ही में सीआईआई (पूर्वी क्षेत्र) उत्पादकता पुरस्कारों में अपना समाधान प्रदर्शित किया और सेल, बोकारो स्टील प्लांट के लिए प्रथम पुरस्कार जीता। टीम ने अपने आविष्कार की तकनीक और डिजाइन को सुरक्षित करने के लिए सेल की ओर से एक भारतीय पेटेंट भी सफलतापूर्वक दायर किया है।

जिला स्तरीय पहला योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 30 को

संवाददाता

बोकारो : जिले में योग को क्रीड़ा के रूप में जन-जन तक सुलभ व सहज बनाने के उद्देश्य से प्रयासरत संगठन बोकारो डिस्ट्रिक्ट योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन एक विशेष आयोजन करने जा रहा है। पहली बार योग आधारित जिला स्तरीय चैंपियनशिप 2023-24 आगामी 30 सितंबर को आयोजित किया जा रहा है, जिसकी मेजबानी सेक्टर-4 स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो करेगा। यह अपनी तरह की पहली प्रतियोगिता होगी। इसकी खासियत यह है कि इसमें बच्चे, युवा और अधेड़, सभी उम्र के प्रतिभागी योगाभ्यास में अपनी कला व दमखम का प्रदर्शन कर सकेंगे। यह निर्णय एसोसिएशन की बोकारो इकाई के अध्यक्ष एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार की अध्यक्षता में एक बैठक में लिया गया।

डॉ. गंगवार ने बताया कि प्रतियोगिता में जिले के किसी भी विद्यालय अथवा क्लब के अलावा व्यक्तिगत रूप से भी प्रतिभागी शामिल हो सकते हैं। लगभग 250 प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है। इसके लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू हो चुका है। इच्छुक प्रतिभागी एफओआरएम. जेओटीएफओआरएम.कॉम/23257 2682692061 लिंक पर क्लिक कर अपना रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। प्रतियोगिता के दिन 30 सितंबर को प्रतिभागी रजिस्ट्रेशन स्लिप के अलावा अपने आधार व आयु प्रमाण-पत्र की छायाप्रति तथा पासपोर्ट साइज फोटो के साथ प्रातः 8 बजे रिपोर्ट करेंगे। बालक-बालिका एवं महिला-पुरुष वर्ग के लिए छह समूहों में यह चैम्पियनशिप आयोजित किया जा रहा है, जिनमें 9 से लेकर 55 साल तक के प्रतिभागी शामिल हो सकते हैं। ट्रेडिशनल योगा और आर्टिस्टिक योगा संबंधी स्पर्धाएं होंगी। बैठक का संचालन एसोसिएशन के सचिव ब्रजेश कुमार सिंह (क्रीड़ा शिक्षक, डीपीएस बोकारो) ने किया। जबकि, मौके पर उपाध्यक्ष अंजनी भूषण (उप प्राचार्य, डीपीएस बोकारो), हरिहर पांडेय (वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक, चिन्मय विद्यालय), कोषाध्यक्ष राजन सिंह (प्रशासक, डीपीएस बोकारो) एवं संयुक्त सचिव निभा कुमारी सहित नितिशा, अनुनेहा, राजीव कुमार आदि मौजूद रहे।

आह्वान... डीवीसी चंद्रपुरा में मनाया जा रहा हिन्दी पखवाड़ा, बोले- परियोजना प्रधान

राष्ट्रोत्थान के लिए हो हिन्दी का उपयोग

संवाददाता

बोकारो : दामोदर घाटी निगम, चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र प्रबंधन द्वारा गुरुवार को हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इसके साथ ही यहां हिन्दी पखवाड़े की शुरूआत हुई। इस अवसर पर राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए हिन्दी प्रतियोगिताओं का आयोजन भी आरंभ हो गया। यहां की इकाई 7- 8 के सम्मेलन कक्ष में आयोजित समारोह का उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक सह-परियोजना प्रधान सुनील कुमार पांडेय, वरिष्ठ महाप्रबंधक रामप्रवेश शाह, उप महाप्रबंधक (प्रशासन) टी टी दास आदि ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने राजभाषा प्रतिज्ञा ली। मुख्य महाप्रबंधक और वरिष्ठ महाप्रबंधक ने राजभाषा पोस्टर का भी विमोचन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य महाप्रबंधक सुनील कुमार पांडेय ने कहा कि समाज, देश एवं संस्थान के विकास के लिए हिन्दी का उपयोग जन-जन को करना होगा। उन्होंने कर्मचारियों और अधिकारियों से स्वयं के साथ-साथ अपने बच्चों को भी हिन्दी का प्रयोग करने हेतु प्रेरित करने का संदेश दिया। समारोह का संचालन प्रदीप कुमार श्रीवास्तव तथा धन्यवाद ज्ञापन दिलीप कुमार ने किया।

अत्यंत ही सुबोध व मधुर भाषा है हिन्दी : चौधरी

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल डीवीसी पावर प्लांट के तकनीकी भवन स्थित सम्मेलन कक्ष में डीवीसी राजभाषा कार्यान्वयन उप समिति के तत्वावधान में हिन्दी पखवाड़ा समारोह का आयोजन गुरुवार को किया गया। समारोह का उद्घाटन एचओपी एन के चौधरी, वरीय जीएम (ओ एंड एम) एस एन प्रसाद, एस भट्टाचार्य, एस भद्रा, बी जी होलकर, सिविल के डीजीएम विश्वमोहन गोस्वामी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मौके पर एचओपी ने हिन्दी पखवाड़ा की बधाई देते हुए इस दौरान दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न राजभाषा कार्यक्रमों की सफलता की कामना की। उन्होंने कहा कि हिन्दी एक मिली-जुली संस्कृति की अत्यंत सुबोध एवं मधुर भाषा है। इसमें भारत की विभिन्न भाषाओं का मिश्रण है। उन्होंने राजभाषा कार्यान्वयन के लिए भारत सरकार, नराकास और निगम के द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देश के अनुरूप हिन्दी को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। समारोह में डीजीएम बी जी होलकर ने स्वागत भाषण दिया। सभी तीनों वरीय जीएम एवं जीएम ने भी अपने-अपने विचार रखे। पूरे पखवाड़े में विस्तृत कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें निबंध लेखन, नारा लेखन, प्रशासनिक शब्दावली, आशु भाषण एवं क्विज जैसी प्रतियोगिताएं शामिल हैं। मौके पर सहायक हिन्दी अधिकारी रवि सिन्हा, प्रबंधक एचआर सुनील कुमार, रोहित कुमार, ए एस अशरफ, शाहिद इकराम सहित सभी विभागाध्यक्ष, कार्यालय प्रधान, अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

इंजीनियरिंग कॉलेज में अभियंता दिवस मना

बोकारो : चास के कांड्रा स्थित जीजीईएस इंजीनियरिंग कॉलेज में शुक्रवार को मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के उपलक्ष्य पर अभियंता दिवस मनाया गया। इसके तहत कॉलेज में विज्ञान एवं नवाचार प्रदर्शनी कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन, पुष्पांजलि एवं अतिथियों के स्वागत से हुई। निदेशक डॉ. प्रियदर्शी जरुहार ने बताया कि विश्वेश्वरैया भारत रत्न हैं। उन्होंने उनके जीवन के प्रेरक प्रसंगों पर रोशनी डाली। सचिव सुरेंद्र पाल सिंह ने छात्र-छात्राओं की प्रशंसा की। मुख्य अतिथि अभिनव शंकर, पीआरओ, बीएसएल ने कहा कि सफल अभियंता वह है, जो बना सकता है तथा अपनी बनाई वस्तु को बेच भी सकता है। आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. श्वेता कुमारी ने कॉलेज की प्रगति का ब्योरा दिया। आईआईसी समन्वयक प्रो. दयाशंकर दिवाकर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। द्वितीय सत्र में अतिथियों ने प्रदर्शनी का जायजा लिया। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार ई-कैंपस एप्लिकेशन मॉडल प्रस्तुत करने वाली अदिति शर्मा, अनुष्ठा कुमारी, अभिषेक सेन को मिला।

मांग मोर्चा की बैठक में सरकार के रवैये पर रोष, अब आर-पार की लड़ाई

अधिकार-रक्षा को ले झारखंड आंदोलनकारियों का महाजुटान अगले माह, उपेक्षा पर नाराजगी

संवाददाता

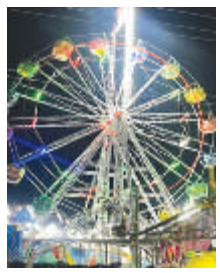

बोकारो : झारखण्ड आन्दोलकारी संघर्ष मोर्चा की बैठक चास में आयोजित की गई। अध्यक्षता वरीय आन्दोलनकारी खिरोधर महतो ने की तथा संचालन बोकारो जिला के मोर्चा के प्रधान महासचिव सह प्रवक्ता राजदेव माहथा ने किया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश में अलग राज्य आन्दोलनकारी के कुछ नेता अपने राजनीतिक स्वार्थ सिद्धि हेतु कई भागों में विभाजित होकर अलग राज्य आन्दोलकारी का संगठन बनाकर अपनी-अपनी राजनीति कर रहे हैं। इस कारण आन्दोलनकारियों का आन्दोलन कमजोर पड़ रहा है। उन्होंने झारखण्ड के सभी आन्दोलकारियों से आह्वान करते हुए कहा कि अब भी समय है, जाति, पार्टी से ऊपर उठकर आन्दोलकारियों के बुनियादी समस्याओं को देखते हुए-एक मंच में आवें, ताकि उग्र आन्दोलन झारखण्ड की गली-गली से होकर राज्यव्यापी हो। वर्तमान तक प्रदेश सरकार अलग राज्य आन्दोलकारियों के हित में संवेदनशील नहीं है। अलग राज्य आन्दोलन करने वाले आन्दोलकारियों ने अंतिम दम तक अलग झारखण्ड राज्य की लडाई लड़ी और अलग राज्य ले ही लिया, लेकिन अलग राज्य आन्दोलनकारियों को जो सम्मान प्रदेश सरकार से मिलना चाहिए था, वो सम्मान आज तक नहीं मिल पाया। इसके लिए आन्दोलनात्मक रणनीति बनाई गई। सभी आन्दोलकारियों को अपने हक-अधिकार, मान-सम्मान पाने के लिए और एक आन्दोलन करने के लिए आगे आना होगा। इसके लिए रांची में आगामी 12 अक्टूबर 2023 को आन्दोलकारियों का महाजुटान कार्यक्रम होगा।

इस दौरान अलग राज्य आन्दोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले कई लोग सम्मानित भी किए गए। बैठक में बीस सूत्री कार्यान्वयन समिति बोकारो जिला उपाध्यक्ष देवाशीष मंडल, राकेश महतो, हाबुलाल गोराई, संतोष कुमार सिंह, गयाराम सिंह चौधरी, लालमोहन शर्मा, अखिलेश्वर प्रसाद महतो, सतीश रजक, चक्रधर शर्मा, बिरंची माहथा, नीलकंठ महतो, खगेन्द्र नाथ वर्मा आदि मौजूद रहे।

हफ्ते की हलचल

विस समिति ने निगम के कार्यों की ली जानकारी

बोकारो : झारखंड विधानसभा की सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति बोकारो जिले के दौरे पर रही। इस दौरान समिति के सभापति सरयू राय ने बोकारो परिसदन में जिले के सभी वरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक कर समीक्षा की। सभापति ने क्रमवार झारखंड वन विकास निगम, झारखंड खनिज विकास निगम लि., झारखंड पुलिस आवास निगम लि., तेनुघाट विद्युत निगम लि., झारखंड पर्यटन विकास निगम लि., झारखंड शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम लि., झारखंड औद्योगिक आधारभूत संरचना विकास निगम लि., सिल्क टेक्सटाईल्स एवं हस्त-शिल्प निगम लि., झारखंड राज्य बेवरेज निगम लि., झारखंड राज्य खाद्य एवं असैनिक आपूर्ति निगम लि., झारखंड राज्य अल्पसंख्यक वित्त विकास निगम लि., झारखंड उर्जा विकास निगम लि., झारखंड चिकित्सक एवं स्वास्थ्य आधारभूत संरचना विकास निगम लि., झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लि., झारखंड ऊर्जा उत्पादन निगम लि., झारखंड विद्युत संरचना निगम लि.,झारखंड बिजली वितरण निगम लि.,झारखंड कम्युनिकेशन नेटवर्क लि. एवं झारखंड अटल बिहारी इनोवेशन लि. से संबंधित पदाधिकारियों से निगम के कार्य एवं कार्य प्रगति की जानकारी ली। साथ ही, आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में डीडीसी कीर्तिश्री जी., अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, अपर समाहर्ता मेनका, चास एसडीओ दिलीप प्रताप सिंह शेखावत व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

तुपकाडीह में जन्माष्टमी मेले की धूम

तुपकाडीह : तुपकाडीह स्टेशन रोड में जय हिंद कला मंच की ओर से आयोजित दसदिवसीय श्री कृष्ण जन्माष्टमी पूजा उत्सव सह रासलीला व मेला का धूमधाम से आयोजन किया गया। देखने के लिए रोज शाम से देर रात तक दर्शकों की भीड़ उमड़ी रही। शांतिपूर्वक माहौल में दूर-दराज के गांवों से लोग पहुंचे। उन्होंने पंडाल में बिजली से चलने वाली राधा कृष्ण की लीला और बाजार का आनंद लिया। भगवान श्री कृष्ण की छठियारी में मंच के सदस्यों ने महाप्रसाद का वितरण पंडाल में किया गया।

ओएनजीसी ने आशा व आशु भाटिया को किया सम्मानित

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित भाटिया एथलीट एकेडमी की गोल्डन गर्ल एथलीट आशा किरण बारला एवं उनके कोच आशु भाटिया को ओएनजीसी प्रबंधन आदित्य जौहरी ने बोकारो स्टील स्थित अपने कार्यालय में आमंत्रित कर सम्मानित किया। मौके पर प्रबंधक ने कहा कि यह बहुत हर्ष एवं प्रसन्नता की बात है कि बोकारो थर्मल जैसे एक छोटी सी जगह में एथलीट आशा किरण बारला, भाटिया एथलेटिक्स एकेडमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर झारखंड एवं भारत के तिरंगा का मान बढ़ाने का काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मैं हर संभव प्रयास करूंगा कि भाटिया एथलेटिक्स एकेडमी को मदद मिल सके जहां बच्चे अपने परफॉर्मेंस पर और सुधार कर सके और जिला, राज्य एवं अपने देश का नाम रोशन कर सकें। मौके पर ओएनजीसी के कई अधिकारी भी मौजूद थे।

1965 व 1971 के योद्धा प्रह्लाद वर्णवाल पंचतत्व में विलीन

बोकारो : बोकारो के सभी पूर्व सैनिकों के लिये प्रेरणास्त्रोत रहे, पूर्व सैनिक प्रह्लाद प्रसाद वर्णवाल पंचतत्व में विलीन हो गए। उनकी बड़ी पुत्री एकता पुष्प ने उन्हें चास स्थित गरगा श्मशान घाट पर मुखाग्नि दी। 1962 में भारतीय वायुसेना में चयन के बाद 1965 और 1971 युद्ध के योद्धा रहे स्व. वर्णवाल उम्र के इस आखिरी पड़ाव में भी अपनी जीवटता और जिंदादिली के साथ-साथ समय की पाबंदी के लिये जाने जाते रहे हैं। पूर्व सैनिकों ने कहा कि उनके अचानक इस तरह जाने का दुख सभी को है। उनकी कमी हमेशा महसूस की जाएगी। उनकी अन्तिम यात्रा के आरंभ में उनके साथी पूर्व सैनिकों ने उन्हे सैनिक परंपरा के अनुसार तिरंगा ओढ़ाकर। परिजनों और पूर्व सैनिकों ने उनकी अर्थी को कन्धा दिया और गरगा घाट पर चिता पर लिटाने से पूर्व उनके परिजनों-तीनों बेटियों, एकता पुष्प, सभ्यता पुष्प एवं श्वेता बर्णवाल को वही तिरंगा पूर्ण सम्मान के साथ सौंप दिया। उनको अपनी श्रद्धांजलि देने के लिये पंजाब नेशनल बैंक के मंडल प्रमुख सह-डीजीएम, बोकारो सुबोध कुमार, चीफ मैनेजर अविनाश कुमार, मनोज झा, राकेश मिश्रा सहित अन्य पूर्व सैनिक भी उपस्थित रहे।

अवसर मिलते नहीं, उन्हें बनाना पड़ता है : सिन्हा

रांची ने की इस्पात उद्योग में जैव ईंधन के प्रभावी उपयोग पर अपनी तरह के पहले राष्ट्रीय सेमिनार 'बीआईओएस 2023' की मेजबानी

विशेष संवाददाता

रांची : वैश्विक जैव ईंधन अलायन्स (जीबीए) - इस जी20 की द्वितीय घोषणा ने जैव ईंधन के वैज्ञानिकों एवं अनुसंधान कर्ताओं को उत्साह से लबरेज कर दिया है। इस्पात उद्योग में जैव ईंधन के प्रभावी उपयोग पर अपनी तरह के पहले राष्ट्रीय सेमिनार 'बीआईओएस 2023' का आयोजन राजधानी रांची स्थित सेल, आरडीसीआईएस के इस्पात भवन परिसर में हुई। इसमें देश-विदेश के तमाम दिग्गजों का जुटान हुआ। सभी ने पर्यावरण-मैत्री इस्पात उत्पादन की दिशा में विभिन्न मुद्दों पर विचार-मंथन किया। सभी हितधारकों ने विभिन्न सत्रों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस्पात और कृषि के शोधकर्ताओं, जैव ईंधन उत्पादकों, प्रौद्योगिकीविदों, शिक्षाविदों ने एक ही छत के नीचे तकनीकी विचार-विमर्श शुरू किया, जो आने वाले दिनों में एक विपुल पर्यावरणीय यात्रा का आधार बन सकता है।

सेमिनार के आयोजन में भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय का मार्गदर्शन सराहनीय था। इसका उद्घाटन भारत सरकार के इस्पात सचिव एन एन सिन्हा ने किया। उद्घाटन सत्र में श्री सिन्हा के साथ मंच साझा करते हुए सेल के अतनु भौमिक, निदेशक प्रभारी (बीएसएल एवं आरएसपी), बी.पी. सिंह निदेशक प्रभारी (डीएसपी एवं आईएसपी), ए.के. सिंह, निदेशक (टीपीआरएम), एन. बनर्जी, ईडी प्रभारी (आरडीसीआईएस और आईसीएआर-आईआईएबी के निदेशक डॉ. एस. रक्षित ने व्यक्तव्य दिए।

उद्घाटन सत्र में अपने मुख्य भाषण में श्री सिन्हा ने आरंभ में इंजीनियरिंग बिरादरी को बधाई दी और प्रतिभागियों को यह कहकर प्रेरित किया कि इस पर्यावरणीय चुनौती को शुरू करने के लिए देश के सर्वोत्तम इंजीनियर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के जन्म दिवस की पूर्व संध्या से अधिक शुभ कोई अन्य दिन नहीं हो सकता था। उन्होंने सेमिनार के आयोजकों की सराहना की, क्योंकि यह कार्बन फुटप्रिंट की कठिन चुनौती से निपटने का अवसर पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि अगर सही प्रौद्योगिकियों को अपनाया जाए तो वे हमें अपनी जड़ों की ओर वापस ले जाएंगी और झारखंड राज्य में हमारी जड़ें कई सहस्राब्दियों तक लौह-निर्माण की अग्रदूत रही हैं, जैसे टांगीनाथ आदि में असुर और अन्य समुदाय बहुत पहले से ही ऐसी कठिन धातुकर्म प्रक्रियाओं में अग्रणी थे। उन्होंने टिप्पणी की कि ग्लासग्लो, स्कॉटलैंड में सीओपी26 ने 2070 तक शुद्ध कार्बन तटस्थता में भारत की प्रतिबद्धता हमें और जिम्मेवार बनाती है।

उन्होंने भारत में बायोमास उत्पादन की पर्याप्तता के बारे में बताया कि 770 मीट्रिक टन कृषि-बायोमास के कुल उत्पादन में से केवल 220 मीट्रिक टन जैव ईंधन के रूप में उद्योग में उपयोग के लिए उपलब्ध था। ब्लास्ट फर्नेस में पूरे 20% उपयोग के लिए हमें आज 10एमटी जैव ईंधन की आवश्यकता है, जिसके लिए 0.1 मिलियन हेक्टेयर जमीन बांस की खेती की आवश्यकता है, जो कोई बड़ी मांग नहीं है। हालांकि, परिवहन और संग्रहण के संदर्भ में कई चुनौतियां हैं। परिवहन के दौरान जैव ईंधन की अग्नि सुरक्षा तथा ब्लास्ट भट्टियों पर इसके प्रभाव पर भी ध्यान देने की जरूरत है। आने वाले दिनों में विकेंद्रीकरण ही कुंजी होगी, जो किसान स्तर पर अर्ध-प्रसंस्करण के लिए ग्रामीण नौकरियों को सुनिश्चित करेगी।

'भावी पीढ़ी के लिए बेहतर स्थिति में पृथ्वी को छोड़ें'

इस्पात क्षेत्र को वैधानिक आदेश के लिए तैयार रहना चाहिए, जैसे बिजली संयंत्रों को अनिवार्य रूप से 5 से 10% बायोमास छर्रों का उपयोग करने के लिए कहा गया है। इसके अलावा इस्पात शोधकर्ताओं को जैव ईंधन के 20% चार्ज-मिक्स के संवर्द्धन पर ध्यान देना चाहिए, उपकरण निर्माता को भी इस चुनौती में स्टार्टअप के साथ शामिल होना चाहिए। तभी हम भावी पीढ़ी के लिए पृथ्वी को बेहतर स्थिति में छोड़ सकेंगे। उन्होंने इस्पात निर्माण में जैव ईंधन के लिए राष्ट्रीय मिशन के लिए एक खाका विकसित करने का सुझाव दिया, जो इस्पात की बड़ी डीकाबोर्नाइजेशन पहल का हिस्सा हो सकता है और नियमित अंतराल/हर साल इसी तरह के आयोजनों को जारी रख सकता है।

बायोमास अब एक आवश्यकता : अतनु

आरएसपी एवं बीएसएल के निदेशक प्रभारी अतनु भौमिक ने वैज्ञानिक समुदाय से आग्रह करते हुए कहा कि बायोमास अब केवल शैक्षणिक अभ्यास नहीं, बल्कि अब एक आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि 3पी यानी पीपल, प्लांट एंड प्रॉफिट में सस्टेनेबिलिटी प्रमुख है। बी पी सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन आज सबसे अधिक चर्चित वैश्विक विषय है और 8% कार्बन उत्सर्जन के साथ हम 2030 तक 300 एमटी स्टील उत्पादन करके पर्यावरण के क्षति नहीं कर सकते हैं। एके सिंह ने सभी प्रतिनिधियों और प्रतिभागियों से इस सेमिनार का पूरी तरह से उपयोग करने का आह्वान किया। एन. बनर्जी ने सभी गणमान्य व्यक्तियों, प्रतिनिधियों, प्रतिभागियों का स्वागत किया और इस संगोष्ठी के आयोजन तथा इसके उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। अंत में डॉ. रक्षित ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। प्लेनरी सेशन की अध्यक्षता श्री सिन्हा ने की, जिसमें आई.आई.एम, अहमदाबाद एवं कोंकण बांस अनुसन्धान केंद्र तथा निजी क्षेत्र के दिग्गज वक्ताओं ने अपने विचार रखे।

हिंदी के विकास को ले अनुशासन व प्रतिबद्धता आवश्यक : एडीजी मिश्रा

हिंदी दिवस पर केंद्रीय संचार ब्यूरो व पीआईबी की कार्यशाला एवं गोष्ठी

विशेष संवाददाता

रांची : पत्र सूचना कार्यालय और केंद्रीय संचार ब्यूरो, रांची की ओर से हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में एक दिवसीय कार्यशाला और गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें अपर महानिदेशक पीआईबी - सीबीसी, रांची अखिल कुमार मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अतिथि वक्ताओं में आलोक कुमार, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय, रांची, अब्दुल हामिद, संयुक्त निदेशक पीआईबी रांची तथा क्रिस्टोफर टेटे, पूर्व उप निदेशक डीडी (न्यूज), रांची भी उपस्थित थे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की। तदोपरांत सभी का अंगवस्त्र से स्वागत किया गया। इस गोष्ठी में दोनों विभागों के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि एडीजी श्री मिश्रा ने अपने संबोधन में हिंदी की सरलता और सुगमता को दर्शाया। कहा कि इसी के चलते यह देश की राजभाषा बन पाई और इसके बोलने और समझने वाले लगभग देश के हर हिस्से में मिल जाएंगे। उन्होंने सभी को अनुशासन और प्रतिबद्धता से हिंदी के विकास को ध्यान में रखने की सलाह दी। महालेखाकार विभाग से आए आलोक कुमार ने टिप्पण लेखन, इसके इतिहास एवं नए प्रारूपों पर मौजूद लोगों के साथ विस्तृत चर्चा की तथा इसकी बेहतरी के नियम बताए।

पीआईबी रांची के संयुक्त निदेशक अब्दुल हामिद ने राजभाषा होने के चलते तथा 'क' क्षेत्र में कार्यालय होने से हिंदी के दैनिक रूप में प्रयोग के बारे में सभी को बताया। वहीं, सेवानिवृत्त पूर्व भारतीय सूचना देवा के अधिकारी क्रिस्टोफर टेटे, पूर्व उप निदेशक डीडी (न्यूज), रांची ने नए युवाओं में हिंदी के प्रयोग खासकर लेखनी में कमतर होने पर चिंता जताई। उन्होंने अन्य देशों के नागरिकों का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे हमें उन्हीं की तरह अपनी भाषा को हर संभव जगह पर प्रयोग करना चाहिए और इसे आगे बढ़ाना चाहिए।

कार्यक्रम के समन्वय एवं संचालन में सीबीसी रांची के कार्यालय प्रमुख शाहिद रहमान की महती भूमिका रही। वहीं आज के कार्यक्रम में विषय प्रवेश क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी ओंकार नाथ पाण्डेय ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी गौरव पुष्कर ने किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी महविश रहमान ने भी महती भूमिका निभाई। मंच संचालन सहायक क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी राज किशोर पासवान ने किया।

मिथिलांचल से बिहार में 'कमल' खिलाने का आह्वान कर गए शाह

मधुबनी : बिहार में भाजपा की जीत का कमल खिलाने का आह्वान करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सभा की। झंझारपुर के ललित कर्पूरी मैदान में शनिवार को आयोजित भाजपा की विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बिहार की महागठबंधन सरकार पर जमकर बरसे। शाह ने नीतीश को कहा कि तेल-पानी एक नहीं हो सकता है। ये आपको भी डुबाने वाला है। लालू-नीतीश की जोड़ी तेल पानी वाली है। उन्होंने कहा कि कहा कि इस भूमि ने दुनिया में मधुबनी पेंटिंग से न केवल मिथिलांचल, बल्कि समग्र भारत की ख्याति देश विदेश तक पहुंचाने का काम किया है। इस मिथिलांचल की धरती को प्रणाम करने आया हूं। कहा कि 2024 में चुनाव आने वाला है। मुझे पूरा भरोसा है कि 39 का रिकॉर्ड तोड़कर 40 की 40 सीट एनडीए और भाजपा को जिताएगी। शाह ने कहा कि जी20 ने देश के गरीब, युवा, किसान सबके लिए अनेक मौकों को खोलने का काम किया। मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी, नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा, गिरिराज सिंह, संजय जायसवाल, नित्यानंद राय समेत बीजेपी के तमाम नेता मौजूद थे। इन नेताओं ने भी सभा के संबोधन में बिहार सरकार पर खूब हमला किया।

मिथिला डायरी

पुपरी में बेखौफ हुए अपराधी, लोगों में आक्रोश

पुपरी : सीतामढ़ी जिले के पुपरी में इन दिनों अपराध बेलगाम और अपराधी बेखौफ हैं। बीते दिनों बाइक सवार दो अपराधियों ने लक्ष्मी साह नामक एक कारोबारी के गले से चेन छीनने के साथ ही उसे गोली भी मार दी। कारोबारी के बचाव में दौड़े मिठाई व्यवसायी सुरेश साह के बेटे दीपक कुमार को भी उन्होंने गोली मार दी। इस घटना के चार दिनों बाद भी खबर लिखे जाने तक आरोपी गिरफ्तार नहीं किए जा सके थे, जिसे लेकर न केवल व्यवसायियों में, बल्कि तमाम पुपरीवासियों में आक्रोश व्याप्त है। जिला पुलिस प्रशासन के स्तर से सीसीटीवी फुटेज जारी किया गया है, जिसमें एक बाइक पर हेलमेट पहने दो अपराधी दिख रहे हैं। पुलिस ने लोगों से सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे अपराधियों के बारे में सुराग देने की अपील की है। बदमाशों ने नागेश्वर स्थान के पास उस वक्त घटना को अंजाम दिया, जब लक्ष्मी साह सुबह टहल रहे थे। दोनों अपराधी नकाबपोश थे। गोली की आवाज और हल्ला होने पर मौके पर भीड़ जुटने लगी। पकड़े जाने के भय से लोगों में दहशत पैदा करने के लिए दोनों अपराधी हवाई फायरिंग करते हुए स्टेशन रोड की तरफ भाग निकले। जख्मी लक्ष्मी साह को लोगों के सहयोग से इलाज के लिए सीतामढ़ी के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। दूसरे जख्मी दीपक कुमार को स्थानीय पीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सक ने बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, सीतामढ़ी रेफर कर दिया। दोनों का इलाज एक ही नर्सिंग होम में चल रहा है। जख्मी लक्ष्मी साह की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। इधर, गोलीकांड की घटना से शहर के लोगों में उबाल आ गया। शहरवासी और कारोबारी गोलीकांड के विरोध में पूरे बाजार को बंद कराकर विरोध-प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। आक्रोशित लोगों ने पुपरी-सीतामढ़ी मुख्य पथ को नागेश्वर नाथ मंदिर के समीप टायर जलाकर जाम कर दिया। लोगों ने पुलिस के प्रति गहरी नाराजगी व्यक्त की।

19 सितंबर
गणेश चतुर्थी
पर विशेष

ऋद्धि-सिद्धि और शुभ-लाभ के प्रदाता भगवान गणपति

गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

प्रत्येक मनुष्य की यह प्रथम इच्छा होती है कि उसके कार्य बिना किसी बाधा के निर्विघ्न संपन्न हो तथा उसे उसके कार्यों का शुभ तथा उचित लाभ या फल भी प्राप्त हो। यह तभी संभव है, जब प्रथम पूज्य भगवान गणपति आप पर अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखें, क्योंकि भगवान गणपति ही ऋद्धि-सिद्धि और शुभ-लाभ के प्रदाता हैं। भगवान गणपति अपने पूर्ण स्वरूप में साधक के जीवन में स्थापित होकर उसके 'भाग्य के दोषों' का समापन करते हैं, जिससे उसकी उन्नति के मार्ग में आने वाली बाधाएं स्वतः ही समाप्त हो जाती हैं।

प्रत्येक मनुष्य की कोई न कोई कामना होती है। जिनको क्लेश है, वे क्लेश का नाश चाहते हैं, जिन्हें धन का अभाव है, वे ऐश्वर्य और भोग चाहते हैं। अपनी कामना पूर्ण करने के लिए एक ही उपाय है- भगवान गणपति की उपासना।

अनंतकोटि- ब्रह्मांड नायक, परात्पर, पूर्णतम, परब्रह्म, परमात्मा ही 'गणनाथ' एवं 'विनायक' कहे गए हैं। सृष्टि निर्माण में आसुरी शक्तियों द्वारा जो विघ्न बाधाएं उत्पन्न की गईं, उनका निवारण करने के लिए सृष्टि के प्रारंभ से ही भगवान गणपति ब्रह्माजी के कार्य में सहायक बने।

गणेश सनातन एवं आदिदेव हैं। पौराणिक युग के गणपति वैदिक काल के ब्रह्मणस्पति हैं। गणेश स्वास्तिक रूप में भी प्रसिद्ध हैं। वामावर्त स्वास्तिक में चारों ओर गणपति का बीज मंत्र 'गं' विराजमान है। दक्षिणावर्त स्वास्तिक में वही बीज मंत्र 'गं' विद्यमान है। आकाश में 'ख' स्वास्तविक है।

स्वस्ति न इन्द्रो वृद्धश्रवाः स्वस्ति न पूषा विश्ववेदाः
स्वस्ति नस्तार्क्ष्यो अरिष्ट नेमि स्वस्ति नो बृहस्पतिर्दधात्

ये चारों देवता आकाश में तारे के रूप में विद्यमान हैं- इन्द्र, पूषा, तार्क्ष्य साक्षर एवं बृहस्पति। इस मंत्र में चार बार स्वस्ति शब्द चार दिशाओं में कल्याण का प्रतीक है, क्योंकि गणपति सर्वप्रकार के विघ्नहर्ता हैं ऊँकार से लेकर स्वस्ति तक गणपति हैं। गणपति का पूजन परम ब्रह्म का पूजन है।

ऋग्वेद-यजुर्वेद आदि के 'गणानां त्वां' इत्यादि मंत्रों में गणपति का सुस्पष्ट उल्लेख मिलता है। कथा है, किसी शुभ मुहूर्त में वाचक्नवि ने अपने पुत्र गृत्समद को गणानां त्वां इत्यादि ऋग्वेद के वैदिक मंत्र का उपदेश दिया एवं कहा कि यह मंत्र सर्वसिद्धि प्रदाता है। इस मंत्र का जप करने से सब कुछ मिल जाएगा। अनादिकाल से ही वैदिक एवं पौराणिक मंत्रों द्वारा भगवान गणपति की पूजा होती चली आ रही है।

श्री गणेश जिस प्रकार ऋद्धि-सिद्धि-बुद्धि के दाता हैं, उसी प्रकार ये अपने अद्भुत रूप-सौंदर्य पूर्ण विग्रह के दर्शनों से अनंत सुख-समृद्धि के प्रदाता हैं। बुद्धि-वैभव के तो ये सर्वोत्मुख भंडार हैं, तभी तो वेदव्यास-प्रणीत महाभारत जैसे विशाल ग्रंथ के लेखन का कार्य इन्होंने ही पूर्ण किया।

गणपति हमारे प्रथम पूज्य देव हैं। कार्यों में ऋद्धि-सिद्धि, सफलता और विघ्नों का नाश करने वाले बुद्धिप्रदाता भगवान गणपति ही हैं। गणेश का सिर हाथी का है, जो बुद्धिमता का प्रतीक है। उनके सिर पर सुशोभित होता चंद्रमा शांति का प्रतीक है। विशाल नेत्र विशालता का स्वरूप है। बड़े-बड़े कान श्रवण शक्ति का प्रतीक है। लंबी नाक सम्मान एवं प्रतिष्ठा का प्रतीक है। पेट पर उत्त्कीर्ण सर्व एवं ऊँ का चिन्ह शांति का प्रतीक है।

गणपति अर्थात् गणों का स्वामी। मानव शरीर में पांच कर्मेंद्रियों, पांच ज्ञानेंद्रियों और अंतःकरण द्वारा संचालित होता है और इनके संचालित होने के पीछे जो शक्ति है, वह विभिन्न 14 देवताओं की शक्ति है, जिनके प्रेरणास्रोत हैं भगवान गणपति।

गाणपत्यर्थवशीर्ष नामक ग्रंथ के अनुसार- श्री गणेश का प्रधान देव के रूप में पूजित होने का मुख्य कारण है शब्द ब्रह्म 'ऊँ' का प्रतीक होना। जिस प्रकार किसी भी श्लोक

या मंत्र के उच्चारण के पूर्व 'ऊँ' का गुंजरण अनिवार्य है, उसी प्रकार भगवान गणपति का प्रथमतः पूजन होना अनिवार्य है।

गणपति साधक के लिए कल्पवृक्ष के समान फलप्रदायक हैं, उनकी साधना करने वाले साधक को समस्त भौतिक सुख-संपत्ति, समस्त नौ निधियां प्राप्त होती हैं। गणपति विद्या के आधार हैं, अतः वे अपने साधक को कुशाग्र बुद्धि प्रदान करते हैं और इसके साथ ही साथ ओंकारवत् होने के कारण अपने साधक को आध्यात्मिक रूप से भी परिपूर्ण करते हैं।

प्रतिभा और ज्ञान की भी एक सीमा अवश्य होती है। व्यक्ति अपने प्रयत्नों से किसी भी कार्य को श्रेष्ठतम रूप से पूर्ण करते हुए उज्जवल पक्ष की ओर विचार करता है, लेकिन उसकी बुद्धि एक सीमा के आगे नहीं दौड़ पाती है। बाधाएं उसकी बुद्धि एवं कार्य के विकास को रोक देती हैं और यही मूल कारण है कि हमारे शास्त्रों में पूजा, साधना, उपासना को विशेष महत्व दिया गया है।

सृष्टि की उत्पत्ति, स्थिति और पूर्णता ब्रह्मा, विष्णु और महेश द्वारा संपादित की जाती है, लेकिन सृष्टि की उत्पत्ति के साथ ही यह व्यवस्था सुचारू रूप से चलती रहे और विघ्न न आए- यह भी गणेश के ही जिम्मे है। विघ्नकर्ता और विघ्नहर्ता दोनों ही गणेश हैं। आसुरी प्रकृति के दुष्टों के लिए गणेश विघ्नकर्ता हैं, तो उनकी पूजा-उपासना करने वाले भक्तों के लिए विघ्नहर्ता और ऋद्धि-सिद्धि के प्रदाता हैं, इसीलिए श्री गणेश को सर्वविघ्नैहरण, सर्वकामनाफलप्रद, अनन्तानन्तसुखद और सुमंगलमंगल कहा गया है।

गणेश का स्वरूप शक्ति और शिव तत्व का साकार स्वरूप है और इन दोनों तत्वों का सुखद स्वरूप ही किसी कार्य में पूर्णता ला सकता है। गणेश शब्द की व्याख्या अत्यंत महत्वपूर्ण है। गणेश का 'गं' मन के द्वारा, बुद्धि के द्वारा ग्रहण करने योग्य, वर्णन करने योग्य संपूर्ण भौतिक जगत को स्पष्ट करता है और 'ण' मन, बुद्धि और वाणी से परे ब्रह्म विद्या स्वरूप परमात्मा को स्पष्ट करता है और इन दोनों के ईश अर्थात स्वामी गणेश कहे गए हैं।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

धन्य-धान्य व सुख-समृद्धि के दाता भगवान विश्वकर्मा

17 सितंबर : विश्वकर्मा पूजा पर विशेष

कहा जाता है कि प्राचीन काल में जितनी राजधानियां थी, प्रायः सभी विश्वकर्मा की ही बनायी हुई थी। यहां तक कि सतयुग का स्वर्ग लोक, त्रेता युग की लंका, द्वापर की द्वारिका और कलयुग का हस्तिनापुर आदि विश्वकर्मा द्वारा ही रचित हैं। सुदामापुरी की तत्क्षण रचना के बारे में भी यह कहा जाता है कि उसके निर्माता विश्वकर्मा ही थे। इससे यह आशय लगाया जाता है कि धन-धान्य और सुख-समृद्धि की अभिलाषा रखने वाले पुरुषों को बाबा विश्वकर्मा की पूजा करना आवश्यक और मंगलदायी है। एक कथा के अनुसार सृष्टि के प्रारंभ में सर्वप्रथम नारायण अर्थात साक्षात विष्णु भगवान जलार्णव (क्षीर सागर) में शेषशय्या पर आविर्भूत हुए। उनके नाभि-कमल से चतुर्मुख ब्रह्मा दृष्टिगोचर हो रहे थे। ब्रह्मा के पुत्र धर्म तथा धर्म के पुत्र वास्तुदेव हुए। कहा जाता है कि धर्म की वस्तु नामक स्त्री (जो दक्ष की कन्याओं में एक थी) से उत्पन्न वास्तु सातवें पुत्र थे, जो शिल्पशास्त्र के आदि प्रवर्तक थे। उन्हीं वास्तुदेव की अंगिरसी नामक पत्नी से विश्वकर्मा उत्पन्न हुए। पिता की भांति विश्वकर्मा भी वास्तुकला के अद्वितीय आचार्य बने। भगवान विश्वकर्मा के अनेक रूप बताए जाते हैं- दो बाहु, चार बाहु एवं दश बाहु तथा एक मुख, चार मुख एवं पंचमुख। उनके मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी एवं दैवज्ञ नामक पांच पुत्र हैं। यह भी मान्यता है कि ये पांचों वास्तु शिल्प की अलग-अलग विधाओं में पारंगत थे और उन्होंने कई वस्तुओं का आविष्कार किया। इस प्रसंग में मनु को लोहे से, तो मय को लकड़ी, त्वष्टा को कांसे एवं तांबे, शिल्पी ईंट और दैवज्ञ सोने-चांदी से जोड़ा जाता है।

भगवान विश्वकर्मा की महत्ता स्थापित करने वाली एक कथा भी है। इसके अनुसार वाराणसी में धार्मिक व्यवहार से चलने वाला एक रथकार अपनी पत्नी के साथ रहता था। अपने कार्य में निपुण था, परंतु स्थान-स्थान पर घूम-घूम कर प्रयत्न करने पर भी भोजन से अधिक धन नहीं प्राप्त कर पाता था। पति की तरह पत्नी भी पुत्र न होने के कारण चिंतित रहती थी। पुत्र प्राप्ति के लिए वे साधु-संतों के यहां जाते थे, लेकिन यह इच्छा उसकी पूरी न हो सकी। तब एक पड़ोसी ब्राह्मण ने रथकार की पत्नी से कहा कि तुम भगवान विश्वकर्मा की शरण में जाओ, तुम्हारी इच्छा पूरी होगी और अमावस्या तिथि को व्रत कर भगवान विश्वकर्मा महात्म्य को सुनो। इसके बाद रथकार एवं उसकी पत्नी ने अमावस्या को भगवान विश्वकर्मा की पूजा की, जिससे उसे धन-धान्य और पुत्ररत्न की प्राप्ति हुई और वे सुखी जीवन व्यतीत करने लगे। उत्तर भारत में इस पूजा का काफी महत्व है।

- प्रस्तुति : रूपक

वेदांता ईएसएल ने 31वें सीसीक्यूसी में जीते 8 स्वर्ण

संवाददाता

बोकारो : क्यूसीएफआई- बोकारो चैप्टर द्वारा आयोजित 31वें सीसीक्यूसी प्रतिस्पर्धा में वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड ने आठ स्वर्ण पुरस्कार जीतकर प्रतिष्ठित उपलब्धि हासिल की है। भारत की प्रमुख एकीकृत स्टील निर्माता कंपनी वेदांता ईएसएल की टीम ने क्यूसीएफआई के बोकारो चैप्टर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न संगठनों के साथ प्रतिस्पर्धा कर विभिन्न विषयों को कवर करने वाले नवाचारी प्रोजेक्ट्स को प्रस्तुत कर अपनी विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया। सीसीक्यूसी इवेंट, संगठनों को उनके व्यापार उत्कृष्टता, गुणवत्ता वृद्धि और निरंतर सुधार के प्रति अपने समर्पण को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रतिष्ठित मंच है। गुणवत्ता और नवाचार के लिए अपने बेहद संघर्षशील प्रयास के लिए प्रसिद्ध वेदांता ईएसएल ने आठ टीमें प्रस्तुत की, हर टीम ने पराक्रम आटोमेशन को बढ़ाने, कुशलता, सुरक्षा और गुणवत्ता को संगठन के अंदर बेहतर बनाने की परियोजनाओं को प्रस्तुत किया।

वेदांता ईएसएल को सम्मान दिलाने वाले विजेता प्रोजेक्ट्स में स्टील मेल्टिंग शॉप (एसएमएस) में 5 एस और विजुअल मैनेजमेंट का लागू करना, बीएफ कोक की नमी कमीकरण, प्रोसेस स्कोर कार्ड स्वचालन, स्वचालित अनुपालन और घटना प्रबंधन ट्रैकर, टीएमटी रीबार में यील्ड स्ट्रेंथ अनुपात को कम से कम 1.15 तक पहुंचाना, सिंटर हर्थ लेयर सामग्री डाइवर्टर गेट का स्वचालन आदि शामिल थे। इस आयोजन के मुख्य अतिथि क्यूसीएफआई बोकारो चैप्टर के चेयरमैन तथा बोकारो स्टील प्लांट के अधिशासी निदेशक बी के तिवारी ने वेदांता ईएसएल के अद्वितीय प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि आठ स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त करने की संगठन की क्षमता अद्वितीय है। वेदांता ईएसएल प्रबंधन ने भी अपनी टीम की इस उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि इस अद्वितीय उपलब्धि से स्पष्ट होता है कि वेदांता ईएसएल अत्युत्तम, साझेदारी और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह समर्पित है। वेदांता ईएसएल में हर व्यक्ति को स्वावलंबी बनाने और उन्हें आवश्यक संसाधनों से सशक्त करने का विश्वास है।

110 कर्मचारियों ने किया रक्तदान

वेदांता ईएसएल के सीएसआर विभाग द्वारा रेडक्रॉस सोसाइटी, बोकारो और सिटीजन्स फाउंडेशन के सहयोग से बुधवार को एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का आयोजन ओएचसी, 16 खाता पर हुआ और इसमें कई उत्साही रक्तदाताओं की सक्रिय भागीदारी रही। इस आयोजन में मुख्य अतिथि वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीईओ आशीष गुप्ता तथा रेडक्रॉस सोसाइटी के एमओ डॉ. यू मोहंती, उपस्थित थे। इस अवसर पर आशीष रंजन, प्रमुख सामुदायिक संबंध और विजय सिंधु, मुख्य सुरक्षा अधिकारी भी वहां उपस्थित थे। रक्तदान शिविर में 110 कर्मचारियों के साथ-साथ व्यापारिक सहयोगियों, विक्रेताओं और समुदाय के सदस्यों ने स्वैच्छिक भागीदारी लेकर अपना सहयोग प्रदान किया। वेदांता ईएसएल सीएसआर विभाग ने इस कार्यक्रम की सफलता में सहयोग देने वाले सभी रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है। कार्यक्रम का उद्देश्य रक्तदान के तत्काल कार्य से परे, रक्तदान के महत्व के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाना था। कंपनी की ओर से इस कार्यक्रम की सफलता पर सभी रक्तदाताओं को बधाई देते हुए बताया गया कि वेदांता ईएसएल सीएसआर अब ऐसे प्रयासों को जारी रखकर समाज के हित में सकारात्मक पहल करने के लिए उत्सुक है।

'हिन्दी है भारत की भाषा हर जिह्वा पर छाएगी, हर दिल की धड़कन बन जाएगी'

विशेष संवाददाता

पटना : हिन्दी भारत की सबसे लोकप्रिय भाषा है। वह दिन दूर नहीं, जब यह अपनी वैज्ञानिकता और सरसता के कारण हर जिह्वा पर छा जाएगी। पूरी दुनिया में इसकी गूंज होगी, जिस पर प्रत्येक भारत-वासी को गौरव होगा। शीघ्र ही यह देश की 'राष्ट्र-भाषा' भी बनेगी, क्योंकि यह सबके दिल में उतर जाएगी, खुशबू बनकर महकेगी और धड़कन-धड़कन बन जाएगी। ये बातें हिन्दी साहित्य सम्मेलन में 'हिन्दी-दिवस' के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने कही। डॉ. सुलभ ने कहा कि वर्ष 2025 से बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन 'हिन्दी दिवस' पर उत्सव मनाना छोड़ देगा, क्योंकि जिस लिए यह दिवस मनाया जाता है, संविधान-सभा के उस निर्णय का तो अनुपालन आज तक हुआ ही नहीं। अगले 14 सितम्बर को भारत की सरकार औपचारिक रूप से हिन्दी को देश की 'राष्ट्र-भाषा' घोषित कर दे, तभी आगे से इस उत्साव का कोई महत्त्व है, अन्यथा यह तो भारत के लोगों का उपहास ही माना जाएगा।

इसके पूर्व समारोह का उद्घाटन करते हुए बिहार विधान परिषद के सभापति देवेशचंद्र ठाकुर ने कहा कि यह आश्चर्य और चिंता का विषय है कि अभी तक हिन्दी को वह स्थान नहीं मिल सका है, जो इसे संविधान-सभा ने देना चाहा था। यह शुद्ध वैज्ञानिक भाषा है, संस्कृत पर आधारित है। श्री ठाकुर ने इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार एम के मधु की पुस्तक 'रानी रूपमती की चाय दुकान' का लोकार्पण भी किया। समारोह के मुख्य अतिथि और उपभोक्ता संरक्षण आयोग, बिहार के अध्यक्ष न्यायमूर्ति संजय कुमार ने कहा कि हिन्दी दिवस के अवसर पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि जब तक हिन्दी देश की राष्ट्रभाषा नही बनायी जाती, हमें संघर्ष जारी रखना होगा। हिन्दी भाषा का भविष्य उज्ज्वल है, क्योंकि यह बाजार की भाषा बन चुकी है।

दूरदर्शन के कार्यक्रम प्रमुख डॉ. राज कुमार नाहर, सम्मेलन के वरीय उपाध्यक्ष जियालाल आर्य, आकाशवाणी के समाचार एकांश के उप निदेशक अजय कुमार, डॉ. मधु वर्मा, डा कल्याणी कुसुम सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर हिन्दी भाषा के उन्नायन में मूल्यवान योगदान देने वाले 14 हिन्दी-सेवियों, डा प्रतिभा रानी, दिवेश प्रसाद पाठक, चंद्र शेखर प्रसाद साहू, सुजाता मिश्र, मीरा श्रीवास्तव, डॉ. राज कुमार नाहर आदि सम्मानित किए गए।

साजन भारती को पीएचडी उपाधि

बेरमो (बोकारो) : के. बी. कॉलेज, बेरमो के समाजशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक साजन भारती को पीएचडी की उपाधि मिली है। उन्होंने महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) वर्धा से स्ट्रीट वेंडर्स के संदर्भ में नीतियों का समाजशास्त्रीय अध्ययन (सागर और धनबाद के विशेष संदर्भ में) विषय पर डा. अमित राय शोध गाइड के कुशल निर्देशन में पीएच. डी. (डॉक्टरेट ऑफ फिलासफी) की डिग्री न्यूनतम मानक एवं प्रक्रिया, विनियम 2009 के अनुसार प्राप्त की है।

महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय वर्धा के परीक्षा नियंत्रक फादर नवाज खान ने ज्ञापांक 04/परी/पीएच. डी/स. कार्य/17/3226 दिनांक 30/08/2023 के तहत इस संबंध में अधिसूचना जारी की है।

चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
अलग-अलग हैं दोनों जंगल
तुलना करना है ना संभव
जिन्दादिल हैं असली जंगल
ईर्ष्यालु कंक्रीटी जंगल
असली जंगल स्वतंत्रता हैं
कंक्रीटी जंगल हैं कारागार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
जंगल में रहता सद्भाव
गहरी आत्मीयता-छाँव
जंगल में कुंठा ना कोई
जंगल में रूठा ना कोई
नगरों में यह भावना लापता
सो पीड़ा है भरी चतर्दिक यार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
जंगल में बूढ़ा बरगद है
पा उसको जंगल गदगद है
बहुत अधिक उसका है अनुभव
वर्ष सैकड़ों का हो, संभव
बिहुँस सभी जंगल कहता
वृद्धों का सम्मान करो सत्कार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

(क्रमशः)

कुमार मनीष अरविन्द

पेज- एक का शेष

एयरपोर्ट की तरह...

चीफ ऑपरेशन मैनेजर दीपक कुमार झा, आद्रा मंडल के डीआरएम सुमित नरूला, सीनियर डीओएम, सीनियर डीईएन, सीनियर डीएसटीई, सीनियर डीसीएम, डीईएफ, डीईई आदि मौजूद थे।

देशभर में 1309 रेलवे स्टेशनों की बदलेगी सूरत

देश के प्रमुख औद्योगिक शहरों में से एक बोकारो स्टील सिटी रेलवे स्टेशन को भारतीय रेलवे द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चुना गया है, जिसे विश्वस्तरीय स्टेशन के रूप में पुनर्विकसित किया जाएगा। रेलवे के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार अमृत भारत स्टेशन योजना का उद्देश्य देश भर में 1309 रेलवे स्टेशनों को परिवर्तित और पुनर्जीवित करना है। इस योजना के तहत पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा, राज्यों के चार डिवीजनों में स्थित दक्षिण पूर्व रेलवे के कुल 69 स्टेशन पुनर्विकसित करने के लिए निर्धारित किए गए हैं।

आद्रा डिवीजन के प्रमुख स्टेशनों में से एक

बोकारो स्टील सिटी दक्षिण पूर्व रेलवे की आद्रा डिवीजन में मुख्य स्टेशनों में से एक है। यह बोकारो शहर और उसके पास के ऐसे क्षेत्र का ऐसा रेलवे स्टेशन है, जो खनिज संसाधनों से भरपूर है। बोकारो स्टेशन से रोजाना बड़ी संख्या में यात्रियों का आवागमन होता है और महत्वपूर्ण रेलवे हेड्स से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। यह बड़े उद्योगों जैसे- बोकारो स्टील प्लांट, थर्मल पावर प्लांट, सीमेंट फैक्टरियों आदि के बीच स्थित है। बोकारो में फ्रेट लोडिंग यार्ड भी है। इस शहर में जवाहरलाल नेहरू जैविक पार्क, गरगा डैम, तेनुघाट डैम, सिटी पार्क आदि यात्री स्थलों के लिए भी प्रख्यात है।

आतंकियों की अब खैर नहीं

शहादत का बदला... अनंतनाग के 'नागों' का फन कुचल रही भारतीय सेना, मची भगदड़

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : कहते हैं - रस्सी जल गई, पर ऐंठन नहीं गई। पाकिस्तान का यही हाल है। खुद के पाले-पोसे गए आतंकवादी रूपी संपोलों से ग्रसित होने, भीषण आर्थिक संकट के बीच कंगाली के कगार पर यह देश पहुंच चुका है, लेकिन अब भी भारत के विरुद्ध आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने से यह बाज नहीं आ रहा। अनंतनाग में पाकिस्तान-पररस्त आर्तकियों के लगातार हमले के विरुद्ध भारतीय सेना ने सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। हमारे चार-चार जवानों की शहादत का बदला लेने और अनंतनाग के नागों का फन कुचलने की कार्रवाई तेज हो चुकी है। जमीन तो जमीन, आसमान से भी उनकी घेराबंदी कर उन पर हमले शुरू कर दिए गए हैं और वे भागते फिर रहे हैं। उनके खिलाफ होना भी यही चाहिए। इस नापाक हरकत से देशभर में गम के साथ, गुस्सा भी है। देश शहादत का बदला मांग रहा है। आर्तकियों के खिलाफ बुधवार से जारी सेना का ऑपरेशन तीसरे दिन तेज हो गया। आर्तकियों के खात्मे के लिए कोकेरनाग वन क्षेत्र में ड्रोन से निगरानी के बाद मोर्टार और बम दागे गए। जंगल में छिपे आर्तकियों पर हमले के लिए ड्रोन और रॉकेट लॉन्चर से बमबारी की गई और पांच दिन में चार आर्तकियों को मार गिराया गया।

सेना के अधिकारियों के अनुसार मुठभेड़ के बाद खबर लिखे जाने तक लश्कर के दो या तीन आर्तकवादी कोकेरनाग के जंगलों में छिपे थे। उनकी तलाशी के लिए सेना ने जंगल को चारों तरफ से घेर लिया गया। ड्रोन की मदद से ऐसे स्थानों को चिन्हित किया गया, जहां

आतंकी छिपे हो सकते हैं। सेना को अंदेशा है कि जंगलों के भीतर और आतंकी ठिकाने हैं। इसको ध्यान में रखकर सेना की टुकड़ी कार्रवाई कर रही है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि क्वाडकॉप्टर ड्रोन की मदद से जंगल में हो रही हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। स्पेशल फोर्स की एक टुकड़ी के साथ कमांडो दस्ते को भी मैदान में उतारा गया है। कार्रवाई के दौरान अनंतनाग में आर्तकियों का खात्मा करने के लिए भारतीय जवानों ने ड्रोन से बमबारी की। हालांकि, घने जंगल होने के कारण जवानों को आर्तकियों पर सटीक हमला करने में मुश्किलें हैं। इसके बावजूद सैन्य कार्रवाई समाचार लिखे जाने तक लगातार मुस्तैदी से जारी रही। इस बीच शनिवार को बारामूला में तीन आतंकियों को मारा जाना बड़ी सैम्य सफलता मानी जा रही है।

तीन साल बाद फिर बड़ी ना'पाक' हिमाकत

जम्मू-कश्मीर में तीन साल बाद एक बार फिर नापाक हिमाकत बढ़ गई है। अनंतनाग में आर्तकियों के साथ मुठभेड़ में सैन्य अधिकारियों सहित हमारे चार जवान शहीद हो गए। जबकि, पांच जवान घायल हो गए। दरअसल, सेना खुफिया जानकारी के आधार पर एक ठिकाने पर आर्तकियों की तलाश कर रही थी। इसी दौरान छिपकर बैठे आर्तकियों ने सेना के जवानों पर गोलियां चला दीं। आर्तकियों की गोली आकर कर्नल मनप्रीत सिंह को लगी, जिसके चलते वह मौके पर ही शहीद हो गए। मेजर आशीष और जम्मू-कश्मीर पुलिस के डीएसपी हुमायूं भट भी वीरगति को प्राप्त हो गए। शुक्रवार को शहीद हुए एक और जवान का शव मिलने के बाद इस एनकाउंटर में शहीद होने वाले जवानों की संख्या चार हो गई। बताया जा रहा है कि साल 2020 के बाद से यह जम्मू-कश्मीर में सबसे बड़ा आतंकी हमला है. इससे पहले, कश्मीर में 30 मार्च 2020 को आतंकी मुठभेड़ हुई थी जिसमें कुल पांच भारतीय जवान शहीद हो गए थे। माना जा रहा है कि हमला करने वाले आतंकी लश्कर-ए-तैयबा के संगठन 'द रजिसटेंस फ्रंट' का हिस्सा हैं।

'जय हिन्द पापा'... शहीदों को नम आंखों से विदाई

सैन्य अफसरों को पैतृक स्थानों पर आंसुओं के साथ अंतिम विदाई दी गई। 'जय हिन्द पापा...' ये शब्द कर्नल मनप्रीत सिंह के 6 वर्ष के बेटे कबीर के थे, जिसने सेना जैसी वर्दी पहनकर शहीद पिता को अंतिम विदाई दी। यहां मौजूद हर कोई भारत माता के इस वीर सपूत के बहादुरी की गाथा गा रहे थे। वहीं, मेजर आशीष धौंचक को उनके पिता लालचंद ने मुखाग्नि दी, इसके बाद वो फफक कर रो पड़े।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)